जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. बी.एस. द्विवेदी
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक–88
दिनांक–29.09.2025

जनेकृविवि के डॉ. डी.पी. शर्मा, डॉ. एस.के. पांडे, डॉ. राकेश बाजपेयी, श्री.ए.आर.वाशनीकर एवं श्री टी.पी. पटेल हुये सेवानिवृत्त
विश्वविद्यालय ने दी भावभीनी विदाई

जबलपुर 29 सितंबर, 2025। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के संचालक विस्तार सेवायें डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा, अधिष्ठाता उद्यानिकी संकाय डॉ. एस.के. पांडे, वानिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश बाजपेयी, पौधरोग विभाग के सहा. प्राध्यापक श्री ए.आर.वाशनीकर और श्री टी.पी.पटेल अपनी गौरवमयी सेवापूर्ण करके सेवानिवृत्त हुये। आपकी सेवानिवृत्ति पर भव्य समारोह आयोजित किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय परिवार द्वारा आपकों भावभीनी विदाई दी गई। वस्तुतः संचालक विस्तार सेवायें डॉ. डी.पी. शर्मा अपनी 42 वर्षो की सेवायात्रा 13 मार्च 1984 को जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय,जबलपुर से आरंभ की, जहां आपने कृषि क्षेत्र में शिक्षा, अनुसंधान तथा नवाचार को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। प्रशासनिक दायित्वों के साथ–साथ आपने विस्तार, शोध एवं शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कार्य किये। आपने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी शैक्षणिक प्रतिभा प्रदर्शित करते हुये हिब्रू विश्वविद्यालय, यरूशलेम, रेहोवोट, इजराइल से फसलों की संरक्षित खेती में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्राप्त किया। राष्ट्रीय बीज परियोजना तथा मसाला विकास कार्यक्रम जैसी योजनाओं में आपकी अग्रण भूमिका रही है। डॉ. डीपी शर्मा द्वारा 44 से अधिक शोध–पत्र राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय शोधग्रंथों में प्रकाशित हुये हैं। इसके अतिरिक्त आपने अनेक प्रशिक्षण पुस्तिकाएं, कृषि बुलेटिन और लोकप्रिय लेख लिखे जो किसानों विद्यार्थियों को अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुये। आपने 28 एम.एस.सी. और 7 पीएचडी विद्यार्थियों का शोध मार्गर्शन किया। आपने 122 गांवों को गोद लेकर उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकी से सुसज्जित किया और किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य को मूर्त रूप प्रदान कर सेवानिवृत्त हुये।

अधिष्ठाता उद्यानिकी संकाय डॉ. शैलेन्द्र कुमार पांडे ने अपनी 40 वर्षो से अधिक की उत्कृष्ट सेवापूर्ण कर सेवानिवृत्त हुये। आपने फरवरी 1984 में रिसर्च एसोसिएट के रूप में अपनी विश्वविद्यालयीन सेवा प्रारंभ की और जून 1986 में इंडो–जर्मन रिसर्च एवं एक्सटेंशन प्रोजेक्ट, हरदा में सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्यभार संभाला। आपने विश्वविद्यालय में आचार्य एवं विभागाध्यक्ष उद्यानिकी विभाग तथा प्रथम अधिष्ठाता उद्यानिकी संकाय के पद को भी विभूषित किया। आपने उद्यानिकी विषय में 15 पीएचडी एवं 59 एमएससी छात्रों का मार्गदर्शन किया। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं में कुल 145 शोध पत्र प्रकाशित किये। आपने 6 पुस्तकों का लेखन भी किया है।

वानिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश बाजपेयी भी 37 वर्षो से अधिक की गौरवमयी सेवायात्रा पूर्ण कर जनेकृविवि से सेवानिवृत्त हुये। आपने विश्वविद्यालय में अपनी सेवा 28 मार्च 1988 में सहायक प्राध्यापक के रूप वानिकी विभाग, जबलपुर से आरंभ की। सेवा अवधि पर्यंत वानिकी विभाग में विश्वविद्यालयीन सेवा प्रदान करते हुये आपके मार्गदर्शन में 17 छात्रों ने स्नातकोत्तर एवं 7 छात्रों ने पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। विश्वविद्याय में संचालित 3 परियोजनाओं में बंजर भूमि विकास परियोजना, नाबार्ड और राष्ट्रीय कृषि विकास योजना में आपका योगदान अविस्मरणीय रहेगा।

पौधरोग विभाग के सहा. प्राध्यापक श्री ए.आर. वाशनीकर भी अपनी 40 वर्षो की सेवापूर्ण कर सेवानिवृत्त हुये। आपने 1988 में अपनी सेवा जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर

में आरंभ की। आपने गेहूं एवं चना के रोग पर अखिल भारतीय परियोजना में कार्य किया है। इसके अलावा मशरूम पर विशेष कार्य कर अपनी एक अलग पहचान बनाई हैं।

कुलसचिव कार्यालय से श्री टी.पी. पटेल आज अपनी 43 वर्षों की विश्वविद्यालयीन सेवाएं पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुये। आपने विश्वविद्यालय के अकादमिक इकाई के सुचारू संचालन में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इन सभी विश्वविद्यालय के स्तंभों के सेवानिवृत्त होंने पर कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय डॉ. अतुल श्रीवास्तव, संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी.के. कौतु, संचालक शिक्षण डॉ. अभिषेक शुक्ला, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. आनीता बब्बर, अटारी प्रभारी डॉ. एस.आर.के. सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा, कुलसचिव डॉ. ए. के. जैन,लेखानियंत्रक श्रीमति संजू तिवारी, डॉ.मोनी थॉमस, डॉ. टी.आर.शर्मा, डॉ. जयंत भट्ट, डॉ. ब्रजेश दीक्षित, डॉ. दीपक राठी, डॉ. ज्ञानेन्द्र तिवारी, डॉ. नम्रता जैन, डॉ. बी.एस.द्विवेदी, डॉ. प्रमोद गुप्ता सहित प्राध्यापकों, कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों ने उनके कार्यकालों को स्मरण कर पुष्पगुच्छ देकर भावभीनी विदाई दी और उज्जवल भविष्य की कामना की।